मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–005

ज्योतिष में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.जे.वाई.-005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $3\times20=60$

1. गणेशदैवज्ञ के कर्तृत्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

2. कमलाकरभट्ट विरचित 'सिद्धान्ततत्वविवेक' में वर्णित विषयों का निरूपण कीजिए।

3. वराहमिहिर के त्रिस्कन्ध-ज्योतिषसंसार में योगदान का वर्णन कीजिए।

4. आर्यभट्ट की त्रिकोणमिति एवं ज्या सारणी का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. ब्रह्मस्फोटसिद्धान्त के अध्यायों का विभाजन करते हुए ब्रह्मगुप्त के खगोलीय योगदान का वर्णन कीजिए।

6. आचार्य वटेश्वर का परिचय देते हुए उनके ज्योतिष सम्बन्धी योगदान का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

(लघूत्तरीय प्रश्न)

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4\times10=40$

7. वेदाङ्ग ज्योतिष में आचार्य लगध के योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. केशव प्रणीत जातक पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9. राजा सवाई सिंह के काल में ज्योतिषशास्त्रीय इतिहास का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

10. वेंकटेश बापू केतकर के कर्तृत्व एवं व्यक्तित्व का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

11. डॉ. सम्पूर्णानन्द का ज्योतिषशास्त्र में क्या योगदान है ? किसी **एक** पहलू पर प्रकाश डालिए।

12. होराशास्त्र किसे कहते हैं ? समाज में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।

13. सुधाकर द्विवेदी की उपाधि एवं उत्कृष्ट योग्यता का वर्णन कीजिए।

14. भास्करीय भू-आकर्षण सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

× × × × ×